पाठ-14

आप परमेश्वर को और अच्छी तरह से जान सकते हैं

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

परमेश्वर को अच्छी तरह से जानने में बाइबल आपकी सहायता करेगी।
परमेश्वर को अच्छी रीति से जानने में यीशु आपकी सहायता करेगा।
परमेश्वर को भली भांति जानने में परमेश्वर की आत्मा आपकी सहायता करेगा। स्वर्ग में आप परमेश्वर को अच्छी तरह से जान सकेंगे।

इसे अपनी बाइबल में से पढ़ें
इसे पाँच बार ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें :

"परमेश्वर का पुत्र आ गया है और उसने हमें समझ दी है कि हम उस सच्चे परमेश्वर को जानें।" 1 यूहन्ना 5-20. "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाये।" यूहन्ना 3:16

क्या आप यह कर सकते हैं ?

बाएँ दिए गये शब्दों के सभी अर्थ दाएँ शब्दों में ढूंढ़कर आड़ी रेखा खींच दें :

1. परमेश्वर का पुत्र	*	* इसको जानने में सहायता करेगा।
2. परमेश्वर ने प्रेम किया	*	* अनन्त जीवन पाएगा।
3. जो कोई यीशु में विश्वास करेगा	*	* यीशु मसीह।
4. परमेश्वर का आत्मा	*	* जगत से।

उत्तर

1. परमेश्वर का पुत्र	उसको जानने में सहायता करेगा।
2. परमेश्वर ने प्रेम किया	अनन्त जीवन पाएगा।
3. जो कोई यीशु में विश्वास करेगा	यीशु मसीह।
4. परमेश्वर का आत्मा	जगत से।

परमेश्वर को अच्छी तरह से जानने में बाइबल आपकी सहायता करेगी।

बाइबल आपको परमेश्वर के बारे में बहुत सारी बातें सिखाती है। परमेश्वर को अच्छी तरह से जानने के लिए प्रतिदिन बाइबल पढ़ें।
*परमेश्वर अपनी पुस्तक से आपसे बात करेगा। *

परमेश्वर

परमेश्वर को अच्छी तरह से जानने में यीशु आपकी सहायता करेगा।

*परमेश्वर त्रिएक परमेश्वर है अर्थात् एक में तीन व्यक्ति–पिता परमेश्वर, पुत्र यीशु और पवित्र आत्मा। *
यदि इनमें से एक आपके संग है तो तीनों व्यक्ति आपके संग हैं।
यीशु मनुष्य बना कि परमेश्वर को जानने में हमारी सहायता करे। यीशु की माता एक भली स्त्री थी, उसका नाम मरियम था। मरियम के पति का नाम यूसुफ था। परन्तु यूसुफ यीशु का पिता नहीं था। यीशु का पिता तो स्वयं परमेश्वर था।

जब यीशु का जन्म हुआ तो स्वर्गदूतों ने परमेश्वर की स्तुति की। उन्होंने कुछ चरवाहों से कहा कि एक उद्धारकर्त्ता जन्मा है। जब चरवाहों ने यीशु को जाकर देखा तो बहुत प्रसन्न हुए। परमेश्वर ने उनका उद्धारकर्त्ता होने के लिए यीशु को भेजा था।
परमेश्वर लोगों के संग रहने के लिए अपने पुत्र के रूप में आया था।

जब यीशु बड़ा हुआ, उसने लोगों को परमेश्वर के बारे में बताया।* उसने उनको दिखाया कि परमेश्वर लोगों के साथ क्या करना चाहता है* उसने अंधों को छूआ और वे देखने लगे। उसने बीमारों को, लंगड़ों, गूंगे-बहिरों को चंगा किया। उसने उदास लोगों को प्रसन्न कर दिया और बुरे लोगों को अच्छा बना दिया।

यहाँ तक कि उसने मुर्दों को जीवित कर दिया। परमेश्वर ने जो कुछ उससे करने को कहा था उसने वह सब कुछ किया।* हमें पाप से छुटकारा देने के लिए यीशु क्रूस पर मरा* वह गाड़ा गया परन्तु फिर से जीवित हो उठा। बाद में उके मित्रों ने यीशु को स्वर्ग पर जाते हुए देखा। *वह उनके लिए फिर से आने वाला है जो उससे प्रेम करते हैं–उन सब के लिए जिन्होंने उसे अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण कर लिया है।* जो मर गए हैं वे फिर से जीवित हो जाएंगे।
*यीशु हमें अपने साथ स्वर्ग में ले जायेगा। *

परमेश्वर को अच्छी तरह से जानने में परमेश्वर का आत्मा आपकी सहायता करेगा।

परमेश्वर ने अपना आत्मा भेज दिया कि वह उसके लोगों में रहे (वास करे)। पवित्र आत्मा में परमेश्वर आपके संग है। पवित्र आत्मा में यीशु आपके संग है। *प्रार्थना में परमेश्वर से बातें करने में परमेश्वर का आत्मा आपकी सहायता करता है।* परमेश्वर से बातचीत करना, परमेश्वर को जानने में सहायक सिद्ध होगा। *पवित्र आत्मा की मांग करें कि वह आप में आए और आप में रहे।* वह परमेश्वर के लिए जीने और उसे अच्छी तरह से जानने में आपकी सहायता करेगा।

परमेश्वर को जानने में परमेश्वर के लोग आपकी सहायता करेंगे।

परमेश्वर चाहता है कि उसके लोग दूसरों की सहायता करें कि वे भी उसे अच्छी तरह से जान सकें। जो यीशु को जानते हैं वे उसके बारे में दूसरों को बताते हैं। वे परमेश्वर के वचन का अध्ययन और प्रार्थना करने के लिए एकत्रित होते हैं। वे लोगों को बताते हैं कि परमेश्वर ने उनके साथ कैसे कैसे महान कार्य किए हैं। *परमेश्वर के बारे में और अधिक जानने के लिए उनसे मिलें और उसकी संगति में बने रहें।* *आप जो कुछ परमेश्वर के बारे में जानते हैं उसे अपने मित्रों को भी बतायें जिससे वे भी उद्धार पाकर स्वर्ग में जा सकें।*

स्वर्ग में आप परमेश्वर के बारे में अच्छी तरह से जान सकेंगे।

जब आप स्वर्ग में जाएंगे तब आप परमेश्वर को देखेंगे! उसे आप से बातचीत करते हुए सुनेंगे। आप उन तमाम बातों को जिन्हें अभी नहीं समझते उस समय समझेंगे। आप देखेंगे कि परमेश्वर कितना महान् अद्भुत और सुन्दर है। आप परमेश्वर को अच्छी तरह से जानेंगे और उससे और अधिक प्रेम करेंगे। और फिर आप सदा काल के लिए उसके साथ रहेंगे।

प्रार्थना

हे परमेश्वर आपका धन्यवाद हो, क्योंकि आप मुझे प्यार करते हैं। और एक दिन मैं आपके मुख को देखूंगा। पिता पुत्र और पवित्र आत्मा आकर मेरे दिल (हृदय) में रहें। आपके बारे में अपने मित्रों को बताने में मेरी सहायता करें। मैं प्रार्थना करता हूँ, कि आपको जानने में उनकी भी सहायता करें जिससे कि जब आप एक दिन हमें लेने आएंगे तो वे भी स्वर्ग में जा सकें।